



اللَّهُ

سُورَةُ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

اللَّهُ

اللَّهُ

اللَّهُ



آیۃھا - (۱) سُورَةُ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ (۵) رُكُوْعُهَا ۱  
اور ۱۲ رکوع ہے سूरअे इतिहा मक्का में नाज़िल हुआ उस में ७ आयतों हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बड़ा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِیْنَ ۝ الرَّحْمٰنِ  
तमाम तारीकें अल्लाह के विचे हैं जो तमाम जहानों का रब है. जो बड़ा

الرَّحِیْمِ ۝ مَلِکِ یَوْمِ الدِّیْنِ ۝  
मेहरबान, निहायत रहम वाला है. जो हिसाब के दिन का मालिक है.

إِیَّاكَ نَعْبُدُ وَ إِیَّاكَ نَسْتَعِیْنُ ۝  
अे अल्लाह! हम तेरी ही ईबादत करते हैं और तुजही से मदद तलब करते हैं.

إِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِیْمَ ۝ صِرَاطَ  
तू हमें सीधे रास्ते की छिदायत दे. उन लोगों के

الَّذِیْنَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ۝ غَیْرِ  
रास्ते की जिन पर तू ने ई-आम इरमाया, न उन

الْمَعْصُوبِیْنَ ۝ وَلَا الضَّالِّیْنَ ۝  
के रास्ते की जिन पर गलब किया गया और न गुमराहों के रास्ते की.

اللَّهُ

سُورَةُ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

اللَّهُ

اللَّهُ

سُورَةُ الْبَقَرَةِ (١٤)

اللَّهُ

اللَّهُ

اللَّهُ

الْبَقَرَةُ ٢٨١  
(٢) سُورَةُ الْبَقَرَةِ (١٤) رُكُوعًا ٨٠  
اور ٨٠ رُكُوعًا ہے سूरअे भकश मदीना में नाजिल हुई उस में २८६ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अस्वाड का नाम ले कर जोे भडा मेहरभान, निहायत रहम वावा हे

الْمَلِكِ ذَاكَ الْكِتَابِ لِارِيبٍ فِيهِ  
अलिफ़ लाम भीम. ये ऐसी किताब हे के जिस में शक नही.

هُدًى لِّلْمُتَّقِينَ ۝ الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ  
जोे मुत्तकियों को छिदायत देने वाली हे. उन मुत्तकियों को जोे ईमान रभते हैं

بِالْغَيْبِ وَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ وَ مِمَّا  
गैब पर और नमाज काईम करते हैं और उन चीजों में से

سَرَقْنَاهُمْ يُنْفِقُونَ ۝ وَ الَّذِينَ  
जोे हम ने उन को ही भर्य करते हैं. और जोे ईमान रभते हैं उस किताब पर

يُؤْمِنُونَ بِمَا أُنزِلَ إِلَيْكَ وَ مَا أُنزِلَ  
जोे आप की तरफ़ उतारी गई और उन किताबों पर जोे आप से पेहले

مِن قَبْلِكَ ۝ وَ بِالْآخِرَةِ هُمْ يُوقِنُونَ  
उतारी गई. और आभिरत पर भी वो यकीन रभते हैं.

سُورَةُ الْبَقَرَةِ  
مَكِّيَّةٌ ١٤

اللَّهُ

اللَّهُ

اللَّهُ

سُورَةُ الْبَقَرَةِ (١٤)

اللَّهُ

أُولَئِكَ عَلَىٰ هُدًى مِّن رَّبِّهِمْ وَأُولَئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ﴿۵﴾

यही लोग अपने रब की तरफ़ से हिदायत पर हैं. और यही लोग इलाह पाने वाले हैं.

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا سَوَاءٌ عَلَيْهِمْ ءَأَنذَرْتَهُمْ أَمْ

यकीनन वो लोग जिन्हों ने कुछ किया उन के लिये बराबर है चाहे आप उन्हें डरायें या

لَمْ تُنذِرْهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۶﴾ حَتَّمَ اللَّهُ عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ

उन्हें न डरायें, वो धिमान नहीं लायेंगे. अल्लाह ने मुहर लगा दी है उन के दिलों पर

وَعَلَىٰ سَمْعِهِمْ وَعَلَىٰ أَبْصَارِهِمْ غِشَاوَةٌ وَلَهُمْ عَذَابٌ

और उन के कानों पर. और उन की आंखों पर परदा है. और उन के लिये त्तारी

عَظِيمٌ ﴿۷﴾ وَمِنَ النَّاسِ مَن يَقُولُ آمَنَّا بِاللَّهِ

अजाब है. और आज लोग ऐसे हैं जो कहते हैं के हम धिमान लायें हैं अल्लाह पर

وَ بِالْيَوْمِ الْآخِرِ وَمَا هُمْ بِمُؤْمِنِينَ ﴿۸﴾ يُخَدِّعُونَ اللَّهَ

और आखिरी दिन पर, छालांके वो धिमान नहीं लायें. वो अल्लाह को धोका दे रहे हैं

وَالَّذِينَ آمَنُوا وَمَا يُخَدِّعُونَ إِلَّا أَنفُسَهُمْ وَمَا يَشْعُرُونَ ﴿۹﴾

और उन को त्मी जो धिमान लायें हैं और वो धोका नहीं देते मगर अपने आप को और उन्हें अल्लाहसास त्मी नहीं.

فِي قُلُوبِهِمْ مَّرَضٌ ۖ فَزَادَهُمُ اللَّهُ مَرَضًا وَلَهُمْ عَذَابٌ

उन के दिलों में भीमारी है, फिर अल्लाह ने उन की भीमारी और बण्डा दी. और उन के लिये दहनक

أَلِيمٌ ۗ بِمَا كَانُوا يَكْذِبُونَ ﴿۱۰﴾ وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ

अजाब है इस वजह से के वो जूठ भोलते हैं. और जब उन से कहा जाता है

لَا تُفْسِدُوا فِي الْأَرْضِ ۖ قَالُوا إِنَّمَا نَحْنُ مُصْلِحُونَ ﴿۱۱﴾

तुम जभीन में इसाद मत फैलाओ, तो वो कहते हैं के हम तो सिर्फ़ ठरवाह करने वाले हैं.

إِلَّا أَنَّهُمْ هُمُ الْفٰسِدُونَ وَلٰكِنْ لَا يَشْعُرُونَ ﴿۱۲﴾

सुनो! यकीनन यही लोग इसाद फैलाने वाले हैं, लेकिन उन्हें अल्लाहसास नहीं.

وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ 'امْنُوا كَمَا آمَنَ النَّاسُ قَالُوا أَنُؤْمِنُ

और जब उन से कहा जाता है के तुम धिमान लाओ ऐसा जैसा के ये लोग (यानी सलामा) धिमान लायें हैं तो कहते हैं

كَمَا آمَنَ السُّفَهَاءُ ۗ إِلَّا أَنَّهُمْ هُمُ السُّفَهَاءُ وَلٰكِنْ

के क्या हम धिमान लायें जैसा के ये भेवकूड़ लोग धिमान लायें हैं? सुनो! यकीनन यही लोग भेवकूड़ हैं, लेकिन



لَا يَعْلَمُونَ ﴿١٣﴾ وَإِذَا لَقُوا الَّذِينَ آمَنُوا قَالُوا آمَنَّا

वो जानते नहीं. और जब वो मिलते हैं ईमान वालों से तो केडते हैं के उम मोमिन हैं.

وَإِذَا خَلَوْا إِلَىٰ شُيَاطِينِهِمْ قَالُوا إِنَّا مَعَكُمْ إِنَّمَا نَحْنُ

और जब वो तन्हाई में छोते हैं अपने शयातीन के पास तो केडते हैं के उम तुम्हारे साथ हैं, उम तो सिर्फ

مُسْتَهْزِءُونَ ﴿١٤﴾ اللَّهُ يَسْتَهْزِئُ بِإِيمَانِهِمْ فِي طُغْيَانِهِمْ

मजाक कर रहे थे. अल्लाह उन के साथ मजाक करता है और उन्हें ढील देता है के अपनी सरकशी में

يَعْمَهُونَ ﴿١٥﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ اشْتَرُوا الضَّلَالََةَ بِالْهُدَىٰ

हैरान किरें. यही लोग हैं जिन्हों ने गुमराही को ખरीदा खिदायत के बदले में.

فَمَا رَبِحَتْ تِجَارَتُهُمْ وَمَا كَانُوا مُهْتَدِينَ ﴿١٦﴾

किर उन की तिजारत नफ़ाभप्श नहीं हुई और वो खिदायतयाइता नहीं हैं.

مَثَلُهُمْ كَمَثَلِ الَّذِي اسْتَوْقَدَ نَارًا ۖ فَلَمَّا أَضَاءَتْ

उन का डाल ऐसा है जैसा उस शप्स का डाल जिस ने आग जलाई. किर जब आग ने रोशन कर दिया

مَا حَوْلَهُ ذَهَبَ اللَّهُ بِنُورِهِمْ وَتَرَكَهُمْ فِي ظُلُمٍ

उस के अतराई को तो अल्लाह ने उन के नूर को सल्व कर लिया और उन को छोड दिया तारीकियों में के वो

لَا يُبْصِرُونَ ﴿١٧﴾ صُمٌّ بُكْمٌ عُمْىٰ فَهُمْ لَا يَرْجِعُونَ ﴿١٨﴾

देष नहीं पाते. वो बेडरे हैं, गूंगे हैं, अंधे हैं, इस लिये वो (कुइ से) रुजूअ नहीं करेंगे.

أَوْ كَصَيِّبٍ مِّنَ السَّمَاءِ فِيهِ ظُلُمٌ وَّرَعْدٌ وَّ بَرْقٌ ۗ

या उन का डाल आस्मान से भरसने वाली बारिश की तरड है के जिस में तारीकियां छे और गरज छे और बिजली छे.

يَجْعَلُونَ أَصَابِعَهُمْ فِي آذَانِهِمْ مِّنَ الصَّوَاعِقِ حُدُرٌ

वो अपनी उगलियां डाल रहे हैं अपने कानों में गरज की वजड से, मौत के

النُّوتِ ۗ وَاللَّهُ مُحِيطٌ بِالْكَافِرِينَ ﴿١٩﴾ يَكَادُ الْبَرْقُ

भौइ से. और अल्लाह काकिरों का छडाता किये हुवे है. करीब है के बिजली

يَخْطَفُ أَبْصَارَهُمْ ۖ كُلَّمَا أَضَاءَ لَهُمْ مَّشَوْا فِيهِ ۖ

उन की भीनाईयों को उयक ले. जब कभी बिजली उन के लिये रोशनी कर देती है तो उस में चलने लगते हैं.

وَإِذَا أَظْلَمَ عَلَيْهِمْ قَامُوا ۗ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَذَهَبَ بِسَمْعِهِمْ

और जब उन पर तारीकी छा जाती है तो भडे रेड जाते हैं और अगर अल्लाह याडता तो सल्व कर लेता उन के कान

وَ أَبْصَارِهِمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿١٠﴾ يَا أَيُّهَا

और उन की आंखों को. यकीनन अद्लाह हर चीज पर कुदरत वाला है. ओ ई-सानो!

النَّاسُ أَعْبَادُوا رَبِّكُمْ الَّذِي خَلَقَكُمْ وَ الَّذِيْنَ

ईबादत करो अपने उस रब की जिस ने तुम्हें पैदा किया और उन लोगों को भी पैदा किया

مِنْ قَبْلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿١١﴾ الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ الْأَرْضَ

जो तुम से पहले थे ताके तुम मुत्तकी बनो. वो अद्लाह जिस ने तुम्हारे लिये जमीन को

فِرَاشًا وَ السَّمَاءَ بِنَاءً ۖ وَأَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَأَخْرَجَ

बिछौना बनाया और आस्मान को छत बनाया, और जिस ने आस्मान से पानी उतारा, फिर उस

بِهِ مِنَ الشَّجَرَاتِ رِزْقًا لَّكُمْ ۖ فَلَا تَجْعَلُوا لِلَّهِ أَنْدَادًا

पानी के जरिये इलों को निकाला तुम्हारे पाने के लिये. इस लिये तुम अद्लाह के शरीक मत बनाओ

وَ أَنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿١٢﴾ وَإِنْ كُنْتُمْ فِي رَيْبٍ مِّمَّا نَزَّلْنَا

डालांके तुम जानते हो. और अगर तुम शक में हो उस कुर्आन की तरफ से जो हम ने उतारा

عَلَىٰ عَبْدِنَا فَأْتُوا بِسُورَةٍ مِّمَّنْ مِثْلِهِ ۖ وَادْعُوا شُهَدَاءَكُمْ

अपने बन्दे पर, तो तुम उसी जैसी अक सूरत ले आओ. और तुम बुलाओ अपने मद्दगारों को

مِّنْ دُونِ اللَّهِ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿١٣﴾ فَإِنْ لَّمْ تَفْعَلُوا

अद्लाह के अलावा अगर तुम सच्ये हो. फिर अगर तुम औसा न कर सको

وَلَنْ تَفْعَلُوا فَاتَّقُوا النَّارَ الَّتِي وَقُودُهَا النَّاسُ

और दरगिज तुम औसा नही कर सकोगे, तो तुम डरो उस आग से जिस का ईधन ई-सान और पथ्थर (भूत)

وَ الْحِجَارَةُ ۗ أَعَدَّتْ لِلْكَافِرِينَ ﴿١٤﴾ وَبَشِّرِ الَّذِينَ آمَنُوا

है, जो तैयार की गई है काफ़िरो के लिये. और आप बशारत सुना दीजिये उन लोगों को जो ईमान लाये

وَ عَمِلُوا الصَّالِحَاتِ أَنَّ لَهُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا

और नेक अमल करते रहे, (ईस बात की बशारत) के उन के लिये जन्नतें हैं के जिन के नीचे से नहरें बहती

الْأَنْهَارُ كُلَّمَا رُزِقُوا مِنْهَا مِنْ ثَمَرَةٍ رِّزْقًا ۖ قَالُوا

होगी. जब कभी वहां से कोई इल उ-हें पाने को दिया जायेगा, तो वो कहेंगे के ये तो वही इल है जो

هَذَا الَّذِي رُزِقْنَا مِنْ قَبْلُ ۖ وَأَنُؤَا بِهِ مُتَشَابِهًا ۖ وَلَهُمْ

उमें पाने को दिया गया ईस से पहले, और उ-हें अक दूसरे के मुशाबेह इल दिये जायेंगे. और उन के लिये

فِيهَا أَزْوَاجٌ مُّطَهَّرَةٌ ۖ وَ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿٥٥﴾ إِنَّ اللَّهَ

उन में पाक साफ़ भीवियां होंगी, और वो उन में हमेशा रहेंगे. यकीनन अल्लाह

لَا يَسْتَنْجِي أَنْ يَضْرِبَ مَثَلًا مَّا بَعُوضَةٌ فَمَا فَوْقَهَا ۗ

उया नहीं करता इस से के वो कोई मिसाल बयान करे किसी मच्छर की हो या उस से भी बण्ड कर.

فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا فَيَعْلَمُونَ أَنََّّهُ الْحَقُّ مِنْ رَبِّهِمْ ۗ

फिर अलबत्ता वो लोग जो ईमान लाओ, तो वो यकीन रखते हैं के ये सच है, उन के रब की तरफ से है. और

وَأَمَّا الَّذِينَ كَفَرُوا فَيَقُولُونَ مَاذَا أَرَادَ اللَّهُ بِهَذَا مَثَلًا ۗ

अलबत्ता जो काफिर हैं वो कहते हैं के इस के जरिये मिसाल बयान कर के अल्लाह ने किस चीज का इरादा किया?

يُضِلُّ بِهِ كَثِيرًا ۖ وَيَهْدِي بِهِ كَثِيرًا ۗ وَمَا يُضِلُّ بِهِ

अल्लाह इस के जरिये बड़ोत सो को गुमराह करते हैं और बड़ोत सो को उस के जरिये खिदायत देते हैं और उस के जरिये

إِلَّا الْفَاسِقِينَ ۗ الَّذِينَ يَنْقُضُونَ عَهْدَ اللَّهِ مِنْ بَعْدِ

अल्लाह गुमराह नहीं करते मगर नाफरमान लोगो को. उन लोगो को जो अल्लाह का अहद तोडते हैं उस

مِيثَاقِهِ ۗ وَ يَقْطَعُونَ مَا أَمَرَ اللَّهُ بِهِ أَنْ يُوصَلَ

के पुज्ता करने के बाद, और जो तोडते हैं उन तअल्लुकात को जिन के जोडे जाने का अल्लाह ने हुकम दिया है

وَ يَفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ ۗ أُولَٰئِكَ هُمُ الْخَاسِرُونَ ﴿٥٦﴾

और वो जमीन में इसाद फैलाते हैं. यही लोग असारा उठाने वाले हैं. कैसे तुम कुफ़ करते हो

كَيْفَ تَكْفُرُونَ بِاللَّهِ وَ كُنْتُمْ أَمْوَاتًا فَأَحْيَاكُمْ ۗ ثُمَّ يُمَيِّتُكُمْ

अल्लाह के साथ, उलांके तुम बेजान थे, फिर अल्लाह ने तुम्हें जिन्दा किया. फिर वो तुम्हें मौत देगा, फिर

ثُمَّ يُحْيِيكُمْ ثُمَّ إِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ﴿٥٧﴾ هُوَ الَّذِي خَلَقَ لَكُمْ

वो तुम्हें जिन्दा करेगा, फिर उस की तरफ तुम लौटाओ जाओगे. वही अल्लाह है जिस ने तुम्हारे लिये पैदा की

مَا فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا ثُمَّ اسْتَوَىٰ إِلَى السَّمَاءِ فَسَوَّاهُنَّ

वो तमाम चीजों जो जमीन में हैं. फिर वो आस्मान की तरफ मुतवज्जह उडवा, फिर उस ने उन को सात

سَبْعَ سَمَاوَاتٍ ۗ وَ هُوَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿٥٨﴾ وَإِذْ قَالَ رَبُّكَ

आस्मान बनाया. और वो उर चीज को पूब जानने वाला है. और जब के आप के रब ने इरिशतों से

لِلْبَلَكَةِ إِيَّيَّ جَاعِلٌ فِي الْأَرْضِ خَلِيفَةً ۗ قَالُوا أَتَجْعَلُ

इरमाया के में जमीन में बलीका मुकरर करने वाला हुं. इरिशतों ने कहा क्या आप जमीन में

فِيهَا مَنْ يُفْسِدُ فِيهَا وَ يَسْفِكُ الدِّمَاءَ وَ نَحْنُ نَسْبِحُ

मुक़र्र करते हैं उस को जो जमीन में इसाद डेलाये और भूनरेजी करे? डालांके डम तरबीड करते हैं

بِحَمْدِكَ وَ نُقَدِّسُ لَكَ ۖ قَالَ إِنِّي أَعْلَمُ مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿٢١﴾

आप की डम के साथ और डम आप की पाकी भयान करतेहैं अडलाड नेडरमाया मैजानता डूंजो तुम नडी जानते

وَ عَلَّمَ آدَمَ الْأَسْمَاءَ كُلَّهَا ثُمَّ عَرَضَهُمْ عَلَى الْمَلَكِ

और अडलाड ने आडम (अडैडरसलाम) को तमाम नाम सिभला डिये, डिर उन को पेश डिया डरिशतो पर.

فَقَالَ أَنْبِؤْنِي بِأَسْمَاءِ هَؤُلَاءِ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿٢٢﴾

उस के डाड डरमाया के तुम मुजे भबर डो उन थीजों के नामों की अगर तुम सख्ये डो. डरिशतो ने

قَالُوا سُبْحَانَكَ لَا عِلْمَ لَنَا إِلَّا مَا عَلَّمْتَنَا إِنَّكَ أَنْتَ الْعَلِيمُ

कडा आप पाक हैं, डमें डडम नडी मगर उतना डी जो आप ने डमें सिभलाया. यकीनन आप डी डडम

الْحَكِيمِ ﴿٢٣﴾ قَالَ يَا آدَمُ أَنْبِئْهُمْ بِأَسْمَائِهِمْ ۖ فَلَمَّا أَنْبَأَهُمْ

वाले, डिकमत वाले हैं. अडलाड ने डरमाया अे आडम! आप उन को भतलाडये उन थीजों के नाम, डिर जब आडम

بِأَسْمَائِهِمْ ۖ قَالَ أَلَمْ أَقُلْ لَكُمْ إِنِّي أَعْلَمُ غَيْبَ السَّمَوَاتِ

(अडैडरसलाम) ने उन को उन थीजों के नाम भतला डीये तो अडलाड ने डरमाया के डया मै ने तुम से कडा नडी था के मैजानता डूं

وَالْأَرْضِ ۖ وَأَعْلَمُ مَا تُبْدُونَ وَ مَا كُنْتُمْ تَكْتُمُونَ ﴿٢٤﴾

आस्मानों और जमीन की डुपी डुड थीजों. और मै जानता डूं वो जो तुम आडिर करते डो और जो तुम डुपाते डो.

وَ إِذْ قُلْنَا لِلْمَلَكِ السُّجُودَ لِلْآدَمِ فَسَجَدُوا إِلَّا إِبْلِيسَ ۖ أَبَى

और जब के डम ने डरिशतो से कडा के तुम सजड करो आडम को, तो उन तमाम ने सजड डिया सिवाये डडडीस के.

وَ اسْتَكْبَرَ ۖ وَ كَانَ مِنَ الْكٰفِرِينَ ﴿٢٥﴾ وَ قُلْنَا يَا آدَمُ اسْكُنْ

के उस ने डडर डिया और उस ने भडा भन्ना थाड. और वो कडिशो में से डो गया. और डम ने कडा के अे आडम! तुम

أَنْتَ وَ زَوْجَكَ الْجَنَّةَ وَ كُلَا مِنْهَا رَغَدًا حَيْثُ شِئْتُمَا

और तुमडारी भीवी जन्नत में रडो और तुम डोनो जन्नत से भाओ कुशाडगी के साथ जडां तुम याडो.

وَ لَا تَقْرَبَا هَذِهِ الشَّجَرَةَ فَتَكُونَا مِنَ الظَّالِمِينَ ﴿٢٦﴾ فَزَلَّاهُمَا

लेकिन तुम करीभ मत जाना डस डरभत के, वरना तुम कुसूरवारो में से भन जाओगे. डिर उन डोनो को शयतान

الشَّيْطٰنُ عَنْهَا فَأَخْرَجَهُمَا مِمَّا كَانَا فِيهِ ۖ وَقُلْنَا اهْبِطُوا

ने वडां से कुसला डिया, डिर उन को निकल डिया उन नेभमतों में से जिन में वो थे. और डम ने कडा के तुम नीये उतर जाओ,



بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ عَدُوٌّ وَلَكُمْ فِي الْأَرْضِ مُسْتَقَرٌّ وَمَتَاعٌ

तुम में से अके अके दूसरे के दुश्मन बन कर रहोगे. और तुम्हारे लिये जमीन में आरजी ठिकाना है और झयदा उठाना है अके वकत

إِلَىٰ حِينٍ ﴿٢٠﴾ فَتَلَقَىٰ آدَمُ مِنْ رَبِّهِ كَلِمَاتٍ فَتَابَ عَلَيْهِ ۗ

तक. फिर आदम (अलैहिस्सलाम) ने अपने रब से थं कलिमात लसिल किये, फिर अल्लाह ने आदम (अलैहिस्सलाम) की तौबा कबूल करमाई.

إِنَّهُ هُوَ التَّوَّابُ الرَّحِيمُ ﴿٢١﴾ قُلْنَا اهْبِطُوا مِنْهَا جَمِيعًا

यकीनन वो तौबा कबूल करने वाला, निहायत रहम वाला है. हम ने कहा के तुम सभ यहां से नीचे उतर जाओ.

فَأَمَّا يَأْتِيَنَّكُمْ مِنِّي هُدًى فَمَن تَبِعَ هُدَايَ فَلَا خَوْفٌ

फिर अगर तुम्हारे पास मेरी तरफ से छिदायत आये, तो जो मेरी छिदायत के पीछे यलेगा, तो उन पर न भोकर

عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يُحْزَنُونَ ﴿٢٢﴾ وَالَّذِينَ كَفَرُوا وَكَذَّبُوا

डोगा और न वो गमगीन डोंगे. और वो लोग जिन्हों ने कुकर किया और डमारी आयतों

بِآيَاتِنَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿٢٣﴾

को जूठलाया, तो ये लोग डोजभी डें. वो उस में डमेशा रहेंगे.

يَبْنِي إِسْرَائِيلَ أَذْكُرُوا نِعْمَتِيَ الَّتِي أَنْعَمْتُ عَلَيْكُمْ

अे यअकूब (अलैहिस्सलाम) की औलाद! तुम याद करो मेरी उस नेअमत को जो मैं ने तुम पर की

وَ أَوْفُوا بِعَهْدِي أَوْفٍ بِعَهْدِكُمْ ۖ وَآيَاتِي فَارْهَبُون ۗ ﴿٢٤﴾

और तुम मेरा अडद पूरा करो, मैं तुम्हारा अडद पूरा करूंगा. और तुम मुज डी से डरो.

وَ آمِنُوا بِمَا أُنزِلَتْ مُصَدِّقًا لِّمَا مَعَكُمْ وَلَا تَكُونُوا أُولَٰ

और डमान लाओ उस पर जिस को मैं ने उतारा, जो सय्या भतलाने वाला है उस को जो तुम्हारे पास है और तुम उस के

كَافِرٍ بِهِ ۗ وَلَا تَشْتَرُوا بِآيَاتِي ثَمَنًا قَلِيلًا ۚ وَآيَاتِي

सभ से पेडले ड-कार करने वाले मत बनो. और तुम मेरी आयतों के भदले में थोडी सी कीमत मत लो. और तुम

فَاتَّقُونَ ﴿٢٥﴾ وَلَا تَلْبِسُوا الْحَقَّ بِالْبَاطِلِ وَ تَكْتُمُوا

मुज डी से डरो. और डक को बातिल के साथ मत मिलाओ और डक को मत

الْحَقَّ وَأَنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿٢٦﴾ وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا

छुपाओ डस डाल में के तुम जानते डो. और नमाज काडम करो और डकत

الزَّكَاةَ وَارْكَعُوا مَعَ الرَّاكِعِينَ ﴿٢٧﴾ أَتَأْمُرُونَ النَّاسَ

डो और रुकूअ करने वालों के साथ रुकूअ करो. क्या तुम दूसरों को नेकी का

بِالْبُرِّ وَ تَسْوَنَ أَنْفُسَكُمْ وَ أَنْتُمْ تَتْلُونَ الْكِتَابَ ۝

لुकम हते छे और अपने आप को भूल जाते छे, एस डाल में के तुम किताब की तिलावत भी करते छे?

أَفَلَا تَعْقِلُونَ ۝ وَأَسْتَعِيبُوا بِالصَّبْرِ وَالصَّلَاةِ ۝ وَإِنَّهَا

क्या तुम अकल नहीं रहते? और सभ्र और नमाज से मद्द तलब करो. और यकीनन ये नमाज

لَكَبِيرَةٌ إِلَّا عَلَى الْخَشَعِينَ ۝ الَّذِينَ يَظُنُّونَ

भारी थीत छे मगर उन भुशूअ करने वालों पर, जो यकीन रहते छे

أَنَّهُمْ مُلْقُوا رَبِّهِمْ وَ أَنَّهُمْ إِلَيْهِ رُجْعُونَ ۝ يَبْنِي

के वो अपने रब से मिलने वाले छे और ये के वो अद्लाह की तरफ लौट कर जाने वाले छे. ओ यअकूब

إِسْرَائِيلَ إِذْ كُرُوا نِعْمَتِي الَّتِي أَنْعَمْتُ عَلَيْكُمْ وَ أَنِّي

(अलैहिस्सलाम) की औलाह! तुम याद करो मेरी उस नेअमत को जो मैं ने तुम पर की और ये के

فَضَّلْتُكُمْ عَلَى الْعَالَمِينَ ۝ وَ اتَّقُوا يَوْمًا لَا تَجْزِي نَفْسٌ

मैं ने तुम को इज्जिलत दी तमाम जलानों (जलान वालों) पर. और उरो उस दिन से जिस दिन कोई शप्स

عَنْ نَفْسٍ شَيْئًا وَلَا يُقْبَلُ مِنْهَا شَفَاعَةٌ وَلَا يُؤْخَذُ

किसी शप्स के कुछ भी काम नहीं आयेगा और किसी की तरफ से सिफारिश कबूल नहीं की जायेगी और किसी की तरफ

مِنْهَا عَدْلٌ وَلَا هُمْ يُنصَرُونَ ۝ وَإِذْ نَجَّيْنَاكُمْ

से किहया नहीं लिया जायेगा और न उन की नुस्रत की जायेगी. और जब हम ने तुम्हें नजात दी

مَنْ آلِ فِرْعَوْنَ يَسُومُونَكُمْ سُوءَ الْعَذَابِ يَدَّبْحُونَ

आले फिरऔन से जो तुम्हें बहतरिन सजा के जरिये तकलीफ हते थे, वो जलब करते थे

أَبْنَاءَكُمْ وَ يَسْتَحْيُونَ نِسَاءَكُمْ وَ فِي ذَلِكُمْ بَلَاءٌ

तुम्हारे भेटों को और जिन्हा छोडते थे तुम्हारी औरतों को. और उस में तुम्हारे रब की तरफ से

مَنْ رَبِّكُمْ عَظِيمٌ ۝ وَإِذْ فَرَقْنَا بِكُمْ الْبَحْرَ فَأَنْجَيْنَاكُمْ

भारी इम्तिखान था. और जब हम ने तुम्हारे लिये समन्दर को झाडा, फिर हम ने तुम्हें नजात दी

وَ أَعْرَقْنَا آلَ فِرْعَوْنَ وَ أَنْتُمْ تَنْظُرُونَ ۝ وَإِذْ وَعَدْنَا

और आले फिरऔन को गर्क किया और तुम हब भी रहे थे. और जब हम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) से

مُوسَى أَرْبَعِينَ لَيْلَةً ثُمَّ اتَّخَذْتُمُ الْعِجْلَ مِنْ بَعْدِ

यालीस रात का वादा किया, फिर तुम ने उन के जाने के बाद बछडे को माभूद बनाया

وَ أَنْتُمْ ظَالِمُونَ ﴿۵۱﴾ ثُمَّ عَفَوْنَا عَنْكُمْ مِّنْ بَعْدِ ذَلِكَ

ईस डाल में के तुम जुल्म कर रहे थे. फिर हम ने तुम से मुआफ़ किया उस के बाद

لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿۵۲﴾ وَ إِذْ آتَيْنَا مُوسَى الْكِتَابَ

ताके तुम शुक्र अदा करो. और जब के हम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) को किताब दी और उस व आतिल के दरमियान

وَ الْفُرْقَانَ لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ ﴿۵۳﴾ وَ إِذْ قَالَ مُوسَى

ईसला करने वाली किताब दी ताके तुम खिदायतयाइता बनो. और जब मूसा (अलैहिस्सलाम) ने अपनी कौम से

لِقَوْمِهِ يَقَوْمٍ يَقَوْمٍ إِيَّاكُمْ ظَلَمْتُمْ أَنْفُسَكُمْ بِاتِّخَاذِكُمْ

इरमाया के अे मेरी कौम! यकीनन तुम ने अपनी जानों पर जुल्म किया है तुम्हारे भएडे को माबूद बनाने की वजह से,

الْعِجْلِ فَتُوبُوا إِلَىٰ بَارِئِكُمْ فَاقْتُلُوا أَنْفُسَكُمْ ذَلِكُمْ

तो तुम तौबा करो अपने पैदा करने वाले की तरफ़, फिर आज आदमी आज को कत्ल करो. ये तुम्हारे

خَيْرٌ لَّكُمْ عِنْدَ بَارِئِكُمْ فَتَابَ عَلَيْكُمْ إِنَّهُ هُوَ التَّوَّابُ

लिये बेउतर है तुम्हारे पैदा करने वाले के नज़दीक. फिर उस ने तुम्हारी तौबा कबूल की. यकीनन वो तौबा कबूल करने वाला,

الرَّحِيمُ ﴿۵४﴾ وَ إِذْ قُلْتُمْ يَا مُوسَى لَنْ نُؤْمِنَ لَكَ حَتَّىٰ نَرَى

निहायत रहम वाला है. और जब तुम ने कहा अे मूसा! हम हरगिज़ आप पर ईमान नहीं लाअेंगे जब तक के हम अदलाह को

اللَّهُ جَهْرَةً فَأَخَذَتْكُمُ الصُّعِقَةُ وَأَنْتُمْ تَنْظُرُونَ ﴿۵५﴾

आमने सामने न देभ लें, फिर तुम्हें बिजली की अेक ओरदार आवाज़ ने पकड़ लिया ईस डाल मेंके तुम (आंभो से) देभ रहे थे.

ثُمَّ بَعَثْنَاكَ مِّنْ بَعْدِ مَوْتِكَ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿۵६﴾

फिर हम ने तुम्हें (जिन्दा कर के) उढाया तुम्हारे मर जाने के बाद ताके तुम शुक्रगुज़ार बनो.

وَ ظَلَلْنَا عَلَيْكُمُ الْعَمَامَ وَأَنْزَلْنَا عَلَيْكُمُ الْمَنَّٰنَ وَالسَّلْوَٰى ط

और हम ने तुम पर आदलों का साया किया और हम ने तुम पर मन्न और सल्वा उतारा.

كُلُّوْا مِنْ طَيِّبَاتِ مَا رَزَقْنَاكُمْ وَمَا ظَلَمُونَا وَلَكِنْ كَانُوا

के तुम जाओ उन पाक़ीज़ चीज़ों मेंसे जो हम ने तुम्हें रोज़ी के तौर पर दी और उनमें ने हम पर जुल्म नहीं किया,

أَنْفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ ﴿۵७﴾ وَإِذْ قُلْنَا ادْخُلُوا هَذِهِ الْقَرْيَةَ

लेकिन वो अपनी जानों पर जुल्म करते थे. और जब हम ने कहा के तुम दाभिल हो जाओ उस बस्ती में,

فَكُلُوا مِنْهَا حَيْثُ شِئْتُمْ رَغَدًا وَ ادْخُلُوا الْبَابَ سُجَّدًا

फिर उस मेंसे जाओ जहां तुम चाओ कुशाहगी के साथ, और तुम दरवाजे से दाभिल हो जाओ सजद करते हुवे

وَقُولُوا حِطَّةٌ تَغْفِرْ لَكُمْ خَطِيئَتَكُمْ ۗ وَ سَنُرِيدُ الْمُحْسِنِينَ ﴿۵۸﴾

और तुम यूँ कड़ो तौबा (तौबा), तो हम तुम्हारे लिये तुम्हारी पताअे बापश हगे. और हम नेकी करने वालों को मज्दीद हगे.

فَبَدَّلَ الَّذِينَ ظَلَمُوا قَوْلًا غَيْرَ الَّذِي قِيلَ لَهُمْ فَأَنْزَلْنَا

फिर उन जालिमों ने बदल दिया बात को उस के अलावा से जो उन से कही गई थी, फिर हम ने

عَلَى الَّذِينَ ظَلَمُوا رَجْزًا مِّنَ السَّمَاءِ بِمَا كَانُوا

उन जालिमों पर उतारा आस्मान से अजाब इस वजह से के वो

يَفْسُقُونَ ﴿۵۹﴾ وَإِذِ اسْتَسْقَىٰ مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ فَقُلْنَا اضْرِبْ

नाइरमान थे. और जब मूसा (अलैडिस्सलाम) ने पानी तलब किया अपनी कौम के लिये तो हम ने कड़ा

بِعَصَاكَ الْحَجَرَ فَأَنْفَجَرْتُمْ مِنْهُ اثْنَتَا عَشْرَةَ عَيْنًا ۗ

अपना असा पथर पर मारिये. फिर उस से बारा यश्मे झूट पडे.

قَدْ عَلِمَ كُلُّ أُنَاسٍ مَّشْرَبَهُمْ ۗ كُلُّوا وَاشْرَبُوا

तमाम लोगों ने अपने पीने की जगा मालूम कर ली. खाओ और पियो

مِن رِّزْقِ اللَّهِ وَلَا تَعْتُوا فِي الْأَرْضِ مُفْسِدِينَ ﴿۶۰﴾ وَإِذْ قُلْتُمْ

अद्लाह की रोजी में से और जमीन में इसाद झैलाते हुवे मत फिरो. और जब तुम ने कड़ा

يَهُوسَىٰ لَنْ نَّصْبِرَ عَلَىٰ طَعَامٍ وَاحِدٍ فَادْعُ لَنَا رَبَّكَ

ओ मूसा! हम डरगिज सभ्र नही करेगे अक जाने पर, इस लिये आप हमारे लिये हुआ कीजिये अपने रब से

يُخْرِجْ لَنَا مِمَّا تُنْتَبِئُ الْأَرْضُ مِنْ بَقْلِهَا وَقِثَّائِهَا

के वो हमारे लिये निकाले उन चीजों में से जिसे जमीन उगाती है, यानी उस की सब्जी और ककड़ी

وَفُومِهَا وَعَدَسِهَا وَبَصِلِهَا ۗ قَالَ اتَّبِدِلُون

और लडसन और मसूर और प्याज. अद्लाह ने इरमाया क्या तुम बदले में मांगते हो

الَّذِي هُوَ أَدْنَىٰ بِالَّذِي هُوَ خَيْرٌ ۗ إِهِبُوا مِصْرًا

उस चीज को जो अदना है उस के बदले में जो उस से बेडतर है? तुम शहर में उतर जाओ,

فَإِنَّ لَكُمْ مَّا سَأَلْتُمْ ۗ وَضُرِبَتْ عَلَيْهِمُ الذِّلَّةُ وَالْمَسْكَنَةُ ۗ

तो यकीनन तुम्हारे लिये वो चीजें डोगी जिन का तुम ने सवाल किया. और उन के उपर जिल्लत और इकर मार दिया गया,

وَبَاءُ وَبِعَضِّ مِّنَ اللَّهِ ۗ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانُوا يَكْفُرُونَ

और वो अद्लाह का गजब ले कर लौटे. ये इस वजह से के वो अद्लाह की



بَايَتِ اللّٰهِ وَيَقْتُلُونَ النَّبِيْنَ بِغَيْرِ الْحَقِّ ذٰلِكَ

आयात का ई-कार करते थे और अम्बिया को नाहक कत्ल करते थे. ये

بِمَا عَصَوْا وَ كَانُوا يَعْتَدُونَ ﴿١١﴾ اِنَّ الَّذِيْنَ اٰمَنُوا

ईस वजह से के उ-छों ने नाईरमानी की और वो उद से आगे बण्डते थे. यकीनन वो लोग जो ईमान लाअे

وَ الَّذِيْنَ هَادُوا وَ النَّصْرٰى وَ الصّٰبِيْنَ مَنْ اٰمَنَ بِاللّٰهِ

और जो यडूही हैं और नसारा हैं और साभी हैं, जो भी ईमान लाअेंगे अल्लाह पर

وَ الْيَوْمِ الْاٰخِرِ وَعَمِلْ صٰلِحًا فَلَهُمْ اَجْرُهُمْ عِنْدَ

और आभिरी दिन पर और नेक काम करते रहेंगे तो उन के लिये उन का अजर डोगा उन के रब

رَبِّهِمْ ۗ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿١٢﴾

के पास. और न उन पर भौड़ डोगा और न वो गमगीन डोंगे.

وَ اِذْ اٰخَذْنَا مِيثَاقَكُمْ وَرَفَعْنَا فَوْقَكُمْ الطُّورَ خُذُوا

और जब डम ने तुम से पुप्ता अडद लिया और डम ने तुमडारे उपर कोडे तूर को उठाया. (कडा के) पकडो

مَا اٰتَيْنَاكُمْ بِقُوَّةٍ وَاذْكُرُوا مَا فِيْهِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿١٣﴾

मजभूती से उस तौरात को जो डम ने तुमडे ही और याद करो उस को जो उस में है ताके तुम मुत्तकीबनो.

ثُمَّ تَوَلَّيْتُمْ مِّنْۢ بَعْدِ ذٰلِكَ ۗ فَلَوْلَا فَضْلُ اللّٰهِ عَلَيْكُمْ

डिर तुम ने उस के बाद औराज किया. डिर अगर अल्लाह का इजल और उस की मेडरबानी

وَ رَحْمَتُهُ لَكُنْتُمْ مِّنَ الْخٰسِرِيْنَ ﴿١٤﴾ وَ لَقَدْ عَلِمْتُمْ

तुम पर न डोती तो तुम नुकसान उठाने वालों में से बन जाते. यकीनन तुमडे मालूम हैं वो लोग

الَّذِيْنَ اَعْتَدُوا مِنْكُمْ فِي السَّبْتِ فَقُلْنَا لَهُمْ كُونُوا

जि-छों ने तुम में से जयादती की सनीयर के बारे में, डिर डम ने उन से कडा के तुम जलील ब-दर

قَرَدَةً خٰسِيْنَ ﴿١٥﴾ فَجَعَلْنٰهَا نَكَالًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهَا

बन जाओ. डिर डम ने उ-छें उन के आगे वालों के लिये और उन से पीछे वालों के लिये ईब्रत बनाया

وَ مَا خَلْفَهَا وَ مَوْعِظَةً لِّلْمُتَّقِيْنَ ﴿١٦﴾ وَاِذْ قَالَ مُوسٰى

और मुत्तकियों के लिये नसीडत बनाया. और जब मूसा (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया

لِقَوْمِهِ اِنَّ اللّٰهَ يٰمُرُكُمْ اَنْ تَذٰبَحُوا بَقْرَةً ۗ قَالُوْا

अपनी कौम से अल्लाह तुमडे डुकम देते हैं के तुम कोई गाय जभड करो, तो उ-छों ने कडा के क्या आप

اَتَّخِذْنَا هُزُوًا ۙ قَالَ اَعُوذُ بِاللّٰهِ اَنْ اَكُوْنَ

उम से मज़ाक करते हैं? भूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अल्लाह की पनाह इस से के मैं जाहिलों में से हो जाऊँ।

مَنْ الْجَاهِلِيْنَ ۙ قَالُوا اِدْعُ لَنَا رَبَّكَ يُبَيِّنْ لَنَا مَا هِيَ ۙ قَالَ

याहूदियों ने कछ के आप उमारे लिये अपने रब से दृआ कीजिये के वो उमारे लिये साफ़ बयान करे के वो गाय क्या है. भूसा

اِنَّهٗ يَقُوْلُ اِنَّهَا بَقْرَةٌ ۙ لَا فَاْرِضٌ وَّ لَا بَكْرٌ ۙ عَوَانُ

(अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के अल्लाह इरमाते लैके वो गाय ऐसी है जो न बछोट भूषी हो और न बिल्कुल जवान हो,

بَيِّنْ ذٰلِكَ ۙ فَاَفْعَلُوْا مَا تُوْمَرُوْنَ ۙ قَالُوا اِدْعُ لَنَا

उस के दरमियान में अघेउ उम्र वाली हो. और तुम कर गुजारो जिस का तुम्हें हुकम दिया जा रहा है. उन्हों ने कछ

رَبَّكَ يُبَيِّنْ لَنَا مَا لَوْنُهَا ۙ قَالَ اِنَّهٗ يَقُوْلُ اِنَّهَا

के आप उमारे लिये अपने रब से दृआ कीजिये के वो उमारे लिये साफ़ बयान करे के उस का रंग कैसा हो. भूसा (अलैहिस्सलाम)

بَقْرَةٌ ۙ صَفْرَاءُ ۙ فَاقْعُ لَوْنُهَا تَسْرُ النَّظْرِيْنَ ۙ قَالُوا

ने इरमाया के अल्लाह इरमाते हैं वो गाय पीली हो, उस का रंग भुला हुआ हो, जो देखने वालों को मसरूर करती हो. तो उन्हों ने

اِدْعُ لَنَا رَبَّكَ يُبَيِّنْ لَنَا مَا هِيَ ۙ اِنَّ الْبَقْرَ تَشَبَهَ عَلَيْنَا ۙ

कछ के आप उमारे लिये अपने रब से दृआ कीजिये के वो उमारे लिये बयान करे के वो गाय क्या है. इस लिये के गाय उम पर

وَ اِنَّا اِنْ شَاءَ اللّٰهُ لَمُهْتَدُوْنَ ۙ قَالَ اِنَّهٗ يَقُوْلُ اِنَّهَا

भुशतभेह हो गई. और यकीनन अगर अल्लाह ने याहा उम राह पा लेंगे. भूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के अल्लाह

بَقْرَةٌ ۙ لَا ذَلُوْلٌ تُشِيْرُ الْاَرْضَ وَّ لَا تَسْقِي الْحَرْثَ ۙ

इरमाते हैं के वो गाय ऐसी हो जो भेती के लिये जोती न गई हो जो जमीन को झडे, और न भेती को सैराब करती हो.

مُسَلَّمَةٌ ۙ لَا شِيْءَ فِيْهَا ۙ قَالُوا اَكُنْ جِحْتًا بِالْحَقِّ ۙ

और सहीह सालिम हो, उस में कोई धब्बा न हो. उन्हों ने कछा अब आप उक बात ले आओ.

فَذَبْحُوْهَا وَّ مَا كَادُوْا يَفْعَلُوْنَ ۙ ۞ وَاِذْ قَاتَلْتُمُوْا نَفْسًا

फिर उन्हों ने उस को जभह किया और वो उस के करीब भी नही थे. और जब तुम ने अक शप्स को कतल किया,

فَاَدْرَأْتُمْ فِيْهَا ۙ وَاللّٰهُ مُخْرِجٌ مَّا كُنْتُمْ تَكْتُمُوْنَ ۙ ۞

फिर तुम ने उस के बारे में जघडा किया. और अल्लाह निकालने वाला था उस को जो तुम छुपा रहे थे.

فَقُلْنَا اضْرِبُوْهُۥ بِبَعْضِهَا ۙ كَذٰلِكَ يُحْيِ اللّٰهُ الْمَوْتٰى ۙ

फिर उम ने कछा के तुम गाय के किसी टुकडे को मकतूल पर मारो. इसी तरह अल्लाह मुरदों को भी जिन्दा करेगे.

و يُرِيكُمْ آيَاتِهِ لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ﴿۴۳﴾ ثُمَّ قَسَتْ

और अदलाह तुम्हें अपनी आयतें दिखाते हैं ताके तुम अकल वाले बन जाओ. फिर तुम्हारे दिल

قُلُوبِكُمْ مِّنْ بَعْدِ ذَلِكَ فَهِيَ كَالْحِجَارَةِ أَوْ أَشَدُّ

उस के बाद सप्त हो गये, फिर वो पथर की तरह हो गये या उस से भी ज्यादा सप्त.

قَسْوَةً وَإِنَّ مِنَ الْحِجَارَةِ لَمَا يَتَفَجَّرُ مِنْهُ الْأَنْهَارُ

और यकीनन पथरों में से तो कुछ ऐसे होते हैं के अलबत्ता उन से नेहरें फूटती हैं.

وَإِنَّ مِنْهَا لَمَا يَشَّقُّ فَيَخْرُجُ مِنْهُ الْمَاءُ وَإِنَّ مِنْهَا

और उन में से कुछ इट जाते हैं जिन से पानी निकलता है. और उन में से कुछ

لَمَا يَهْبِطُ مِنْ خَشْيَةِ اللَّهِ وَمَا اللَّهُ بِغَافِلٍ

अदलाह के भौंके से गिर पडते हैं. और अदलाह बेगबर नहीं है उन कामों से

عَمَّا تَعْمَلُونَ ﴿۴۴﴾ أَفَتَطْمَعُونَ أَنْ يُؤْمِنُوا لَكُمْ وَقَدْ كَانَ

जो तुम करते हो. क्या फिर तुम इस की उम्मीद रखते हो के ये (यहूदी) तुम्हारे केडने से ईमान ले आयेगे,

فَرِيقٌ مِّنْهُمْ يَسْمَعُونَ كَلِمَ اللَّهِ ثُمَّ يُحَرَّفُونَ

डालांके उन में से अक जमाअत अदलाह के कलाम को सुनती है, फिर उस में तडरीक करती है

مِنْ بَعْدِ مَا عَقَلُوهُ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿۴۵﴾ وَإِذَا لَقُوا الَّذِينَ

उस के बाद के वो उस को समजती है, डालांके वो इल्म भी रखती है. और जब वो ईमान वालों से मिलते हैं

آمَنُوا قَالُوا آمَنَّا وَإِذَا خَلَا بِبَعْضِهِمْ إِلَىٰ بَعْضٍ قَالُوا

तो केडते हैं के 'उम मोमिन हैं'. और जब उन में से अक दूसरे के साथ तन्हाई में डोते हैं तो केडते

أَتَحَدِّثُونَهُم بِمَا فَتَحَ اللَّهُ عَلَيْكُمْ لِيُحَاجُّوكُمْ

हैं के क्या तुम उन मुसलमानों से बयान कर देते हो वो जो अदलाह ने तुम पर भोला है ताके वो तुम से

بِهِ عِنْدَ رَبِّكُمْ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۴۶﴾ أَوَلَا يَعْلَمُونَ

उस के जरिये डुजजतभाजी करें तुम्हारे रब के पास? क्या तुम्हें अकल नहीं? क्या वो ये नहीं जानते के

أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا يُسِرُّونَ وَمَا يُعْلِنُونَ ﴿۴۷﴾ وَمِنْهُمْ

अदलाह जानता है उस को भी जिस को वो छुपाते हैं और जिस को वो अडिर करते हैं. और उन में से आज

أُمِّيُونَ لَا يَعْلَمُونَ الْكِتَابَ إِلَّا أَمَانِي وَإِنَّهُمْ إِلَّا

अनपढ हैं जो किताब को नहीं जानते सिवाअे तमन्नाओं के. और वो सिई गुमान

يُظُنُّونَ ﴿٨٧﴾ فَوَيْلٌ لِلَّذِينَ يَكْتُبُونَ الْكِتَابَ بِأَيْدِيهِمْ

करते हैं. फिर उलाकत है उन लोगों के लिये जो किताब को अपने हाथों से लिखते हैं,

ثُمَّ يَقُولُونَ هَذَا مِنْ عِنْدِ اللَّهِ لِيَشْتَرُوا بِهِ ثَمَنًا

फिर कहते हैं के ये अल्लाह की तरफ से है ताके उस के बदले में थोड़ी सी कीमत

قَلِيلًا ۖ فَوَيْلٌ لَهُمْ مِمَّا كَتَبَتْ أَيْدِيهِمْ وَوَيْلٌ لَهُمْ

ले लें. फिर उलाकत है उन के लिये उस से जो उन के हाथों ने लिखा है और उलाकत है उन के लिये

مِمَّا يَكْسِبُونَ ﴿٨٨﴾ وَقَالُوا لَنْ نَمَسَّنَا النَّارَ إِلَّا أَيَّامًا مَعْدُودَةً ۖ

उस माल से जो वो कमा रहे हैं. और उनको ने कहा के आग हमें उरगिज नही छुअगी मगर थंद गिने युने दिन.

قُلْ أَتَّخَذْتُمْ عِنْدَ اللَّهِ عَهْدًا فَلَنْ يُخْلِفَ اللَّهُ عَهْدَهُ

आप इरमा दीजिये क्या तुम ने अल्लाह के पास कोछ अलद ले रमा है के फिर अल्लाह उरगिज अपने अलद के

أَمْ تَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿٨٩﴾ بَلَىٰ مَنْ كَسَبَ

भिलाइ नही करेगा या तुम अल्लाह पर कहते हो वो जो तुम जानते नही हो? कयूं नही! जो भी भुरा काम

سَيِّئَةً وَوَأَحَاطَتْ بِهِ خَطِيئَتُهُ فَأُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ

करेगा और उस को उस की भताओं ने घेर लिया तो यही लोग दोजभी हैं.

هُم فِيهَا خَالِدُونَ ﴿٩٠﴾ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

वो उस में हमेशा रहेंगे. और जो ईमान लाअे और नेक अमल करते रहे

أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْجَنَّةِ ۖ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿٩١﴾ وَإِذْ أَخَذْنَا

तो ये लोग जन्नती हैं, वो उस में हमेशा रहेंगे. और जब के हम ने बनी ईस्राईल

مِيثَاقَ بَنِي إِسْرَائِيلَ لَا تَعْبُدُونَ إِلَّا اللَّهَ ۖ وَبِالْوَالِدَيْنِ

से पुप्ता अलद लिया के तुम ईबाहत न करो मगर अल्लाह की, और वालिदैन के साथ

إِحْسَانًا وَذِي الْقُرْبَىٰ وَالْيَتَامَىٰ وَالْمَسْكِينِ وَقُولُوا

हुस्ने सुलूक करो, और रिशतेदारों के साथ और यतीमों और भिस्कीनों के साथ, और

لِلنَّاسِ حُسْنًا وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ ۖ

लोगों से अरछी भात कडो, और नमाज काईम करो और जकात दो.

ثُمَّ تَوَلَّيْتُمْ إِلَّا قَلِيلًا مِّنْكُمْ وَأَنْتُمْ مُّعْرِضُونَ ﴿٩٢﴾

फिर तुम ने इगरदानी की मगर तुम में से थोडे लोगों ने ईस डाल में के तुम मुंड इर रहे थे.



وَإِذْ أَخَذْنَا مِيثَاقَكُمْ لَا تَسْفِكُونَ دِمَاءَكُمْ وَلَا تُخْرَجُونَ

और जब के हम ने तुम से पुप्ता अहद लिया के तुम आपस में भून मत बहाओ और अक दूसरे को

أَنْفُسَكُمْ مِنْ دِيَارِكُمْ ثُمَّ أَقْرَرْتُمْ وَأَنْتُمْ تَشْهَدُونَ ﴿۱۴﴾

अपने घरों से मत निकालो. फिर तुम ने ठंकरार किया ठंस डाल में के तुम गवाडी देते डो.

ثُمَّ أَنْتُمْ هَؤُلَاءِ تَقْتُلُونَ أَنْفُسَكُمْ وَتُخْرَجُونَ فَرِيقًا

फिर तुम वो लोग डो के तुम अक दूसरे को क्तल करते थे और तुम अपने में से अक जमाअत को

مِنْكُمْ مِّنْ دِيَارِهِمْ ۚ تَظْهَرُونَ عَلَيْهِمْ بِآلَاتِهِمْ

निकालते थे उन के घरों से. तुम उन के बिलाइ गुनाड और जुल्म में महद

وَالْعُدْوَانَ ۗ وَإِنْ يَأْتُوكُمْ أُسْرَىٰ تَفْدُوهُمْ وَهُمْ

करते थे. और अगर वो तुम्हारे पास कैदी बन कर आअें तो तुम उन का इइया देते थे ठंस डाल में के

فُحْرَمَ عَلَيْهِمْ إِخْرَاجُهُمْ ۗ أَفْتَوْمُونَ بِبَعْضِ الْكِتَابِ

तुम पर उन का निकालना डराम था. क्या फिर तुम तौरात के बाज डरसे पर ठमान रभते डो,

وَ تَكْفُرُونَ بِبَعْضِ ۗ فَمَا جَزَاءُ مَنْ يَفْعَلُ ذَلِكَ

और बाज के साथ कुइ करते डो? फिर उस शप्स की सजा क्या डोगी जो तुम में से

مِنْكُمْ إِلَّا خِزْيٌ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَيَوْمَ الْقِيَامَةِ

उस को करे सिवाअे हुन्यवी जिन्हगी में रुस्वाठ के? और क्यामत के दिन

يُرَدُّونَ إِلَىٰ أَشَدِّ الْعَذَابِ ۗ وَمَا اللَّهُ بِغَافِلٍ

उन को सप्त तरिन अजाब की तरइ लौटाया जाअेगा. और अद्लाड बेभबर नहीं डे

عَمَّا تَعْمَلُونَ ﴿۱۵﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ اسْتَرَوْا الْحَيَاةَ

उन कामों से जो तुम करते डो. यडी लोग डें जिन्हों ने हुन्यवी जिन्हगी को आभिरत

الدُّنْيَا بِالْآخِرَةِ ۚ فَلَا يُخَفَّفُ عَنْهُمْ الْعَذَابُ

के मुकाबले में भरीदा. फिर उन का अजाब डल्का नहीं किया जाअेगा

وَلَا هُمْ يُنصَرُونَ ﴿۱۶﴾ وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَىٰ الْكِتَابَ

और उन की नुस्तरत नहीं की जाअेगी. यकीनन डम ने मूसा (अलैडिस्सलाम) को किताब दी

وَ قَفَيْنَا مِنْ بَعْدِهِ بِالرُّسُلِ ۚ وَآتَيْنَا عِيسَىٰ ابْنَ

और उन के बाद लगातार रसूल भेजे. और डम ने ठसा ठंने मरयम (अलैडिमस्सलाम)

مَرِيْمَ الْبَيْتِ وَ اَيَّدْنَهُ بِرُوحِ الْقُدُسِ ۗ اَفَكَلَّمَا

को रोशन मोअजिजात दिये, और हम ने उन की ताईद की रूहुल कुहुस के जरिये. क्या फिर जब कभी

جَاءَكُمْ رَسُولٌ بِمَا لَا تَهْوَى اَنْفُسُكُمْ اسْتَكْبَرْتُمْ ۗ

तुम्हारे पास कोई पैगम्बर आया ऐसी चीजें ले कर जिन को तुम्हारे नफ्स खाते नहीं थे तो तुम ने अडा बना

فَرِيْقًا كَذَّبْتُمْ ۗ وَ فَرِيْقًا تَقْتُلُوْنَ ۝١٤ وَ قَالُوْا

खाडा. फिर एक जमाअत को तुम ने जुठलाया और एक जमाअत को तुम कत्ल करते थे. और उन्हों ने कडा के

قُلُوْبِنَا غُلْفٌ ۗ بَلْ لَعَنَهُمُ اللّٰهُ بِكُفْرِهِمْ فَقَلِيْلًا

हमारे दिल अन्ध हैं. अल्के अल्लाह ने उन पर लानत इरमाई उन के कुई की वजह से. फिर अडोत कम

مَا يُؤْمِنُوْنَ ۝١٥ وَ لَمَّا جَاءَهُمْ كِتٰبٌ مِّنْ عِنْدِ اللّٰهِ

ये ईमान लाअंगे. और जब उन के पास किताब आई अल्लाह की तरई से

مُصَدِّقٌ لِّمَا مَعَهُمْ ۗ وَكَانُوْا مِنْ قَبْلُ يَسْتَفْتِحُوْنَ

जो सख्या अतलाने वाली है उस को जो उन के पास है, और वो उस से पेडले काकिरों के भिलाई इतल

عَلَى الَّذِيْنَ كَفَرُوْا ۗ فَلَمَّا جَاءَهُمْ مَا عَرَفُوْا كَفَرُوْا بِهٖ ۗ

तलभ करते थे. फिर जब उन के पास आ गया वो जिस को वो पेडयानते भी थे, तो उन्हों ने उस के साथ

فَلَعَنَهُ اللّٰهُ عَلَى الْكٰفِرِيْنَ ۝١٦ بِسْمَا اسْتَرَوْا بِهٖ

कुई किया. फिर अल्लाह की लानत है काकिरों पर. भुरा है जिस के अदले में उन्हों ने

اَنْفُسَهُمْ اَنْ يَّكْفُرُوْا بِمَا اَنْزَلَ اللّٰهُ بَعِيًّا اَنْ يُّنَزَّلَ

अपनी जानों को भेया, ये के वो कुई करते हैं उस के साथ जिस को अल्लाह ने उतारा उसद की वजह से, ईस

اللّٰهُ مِنْ فَضْلِهٖ عَلَى مَنْ يَّشَاءُ مِنْ عِبَادِهٖ ۗ فَبَاۗءُوْ

वजह से के अल्लाह उतारते हैं अपना इजल जिस पर खाते हैं अपने अन्हों में से. फिर वो

بِعَضِّ عَلَى عَضْبٍ ۗ وَلِلْكَافِرِيْنَ عَذَابٌ مُّهِیْنٌ ۝١٧

गजभ पर गजभ को ले कर लौटे. और काकिरों के लिये रुस्वा करने वाला अजाभ है.

وَ اِذَا قِيْلَ لَهُمْ اٰمِنُوْا بِمَا اَنْزَلَ اللّٰهُ قَالُوْا نُوْمِنُ

और जब उन से कडा जाता है के ईमान लाओ उस पर जो अल्लाह ने उतारा है तो वो केडते हैं के हम ईमान

بِمَا اُنزَلَ عَلَيْنَا وَ يَكْفُرُوْنَ بِمَا وَّرَاۗءَ ۗ وَ هُوَ الْحَقُّ

लाअंगे उस पर जो हम पर उतारा गया है, और वो उस के अलावा के साथ कुई करते हैं. डालांडे वो डक है,

مُصَدِّقًا لِّمَا مَعَهُمْ ۖ قُلْ فَلِمَ تَقْتُلُونَ أَنْبِيَاءَ اللَّهِ

सख्या भतलाने वाला है उस को जो उन के पास है. आप इरमा दीजिये तुम कयूं कत्ल करते थे अद्लाउ के

مِنْ قَبْلُ إِنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۹۱﴾ وَلَقَدْ جَاءَكُمْ مُوسَىٰ

नभियों को इस से पेडले अगर तुम मोमिन हो. और यकीनन तुम्हारे पास मूसा (अलैहिससलाम)

بِالْبَيِّنَاتِ ثُمَّ اتَّخَذْتُمُ الْعِجْلَ مِنْ بَعْدِهَا وَ أَنْتُمْ

रोशन मोअजिजात ले कर आये, फिर तुम ने बछडे को माबूह बनाया उन के बाद इस डाल में के तुम

ظَالِمُونَ ﴿۹۲﴾ وَإِذْ أَخَذْنَا مِيثَاقَكُمْ وَ رَفَعْنَا فَوْقَكُمْ

जुल्म कर रहे थे. और जब हम ने तुम से पुज्ता अउह लिया और हम ने तुम्हारे उपर कोडे तूर को

الطُّورَ ۖ خُذُوا مَا آتَيْنَاكُمْ بِقُوَّةٍ وَ أَسْمِعُوا قَالُوا

उठाया. कडा के मजबूती से पकडो उस को जो हम ने तुम्हें दिया और गौर से सुनो. उनको ने कडा के हम ने सुना,

سَمِعْنَا وَ عَصَيْنَا وَ أَشْرَبُوا فِي قُلُوبِهِمُ الْعِجْلَ بِكُفْرِهِمْ ۖ

लेकिन हम नाइरमानी करते हैं. और उन के दिलों में बछडे की मउब्बत पिला दी गई उन के कुफ्र की वजह से.

قُلْ بِئْسَمَا يَأْمُرُكُمْ بِهِ إِيَّائِكُمْ أَنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۹۳﴾

आप इरमा दीजिये बुरा है वो जिस का तुम्हारा इमान तुम्हें हुकम दे रहा है अगर तुम मोमिन हो.

قُلْ إِنْ كَانَتْ لَكُمْ الدَّارُ الْآخِرَةُ عِنْدَ اللَّهِ خَالِصَةً

आप इरमा दीजिये के अगर सिर्फ तुम्हारे लिये है आभिरत वाला घर अद्लाउ के पास

مِّنْ دُونِ النَّاسِ فَاتَمَّنُوا أَلْمُوتِ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۹۴﴾

और इंसानों को छोड कर, तो मौत की तमन्ना करो अगर तुम सख्ये हो. और वो डरगिज मौत की

وَلَنْ يَّتَمَنَّوْهُ أَبَدًا ۖ بِمَا قَدَّمْت أَيْدِيهِمْ ۖ وَاللَّهُ عَلِيمٌ

तमन्ना नही करेगे कभी भी उन आमाल की वजह से जो उन के हाथों ने आगे भेजे हैं. और अद्लाउ

بِالظَّالِمِينَ ﴿۹۵﴾ وَ لَتَجِدَنَّاهُمْ أَحْرَصَ النَّاسِ

इन जालिमों को भूष जानते हैं. और जरूर आप उन्हें तमाम इंसानों से ज्यादा डरीस पाअेंगे

عَلَىٰ حَيَاتِهِ ۚ وَ مِنَ الَّذِينَ أَشْرَكُوا ۚ يَوَدُّ أَحَدُهُمْ لَوْ يُعَمَّرَ

जिन्दा रेडने पर और मुशरिकीन से भी. उन में से अक अक शप्स तमन्ना करता है के कश उसे अक डजार साल

أَلْفَ سَنَةٍ ۚ وَ مَا هُوَ بِمُرْحَرَجِهِ مِنَ الْعَذَابِ أَنْ

की जिन्द्गी दी जाये, डालांके अक डजार साल की जिन्द्गी दिया जाना उसे अजाब से बयाने वाला

يُعْتَرِّطُ وَاللَّهُ بَصِيرٌ بِمَا يَعْمَلُونَ ﴿٩٧﴾ قُلْ مَنْ كَانَ

नहीं है. और उन के आमाँल को अल्लाह देख रहा है. आप इरमा दीजिये के जो जिब्रील

عَدُوًّا لِّجِبْرِيلَ فَإِنَّهُ نَزَّلَهُ عَلَى قَلْبِكَ بِإِذْنِ اللَّهِ

का दुश्मन है तो यकीनन जिब्रील ने इस कुर्आन को आप के कलम पर उतारा है अल्लाह के हुकम से, जो

مُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ وَهُدًى وَبُشْرَى لِلْمُؤْمِنِينَ ﴿٩٨﴾

सख्या मतलाने वाला है उन किताबों को जो इस से पेहले थी, और हिदायत और बशरत है ईमान वालों के लिये.

مَنْ كَانَ عَدُوًّا لِلَّهِ وَمَلَائِكَتِهِ وَرُسُلِهِ وَجِبْرِيلَ

जो अल्लाह का और उस के इरिशतों और उस के पैगम्बरों का और जिब्रील

وَمِيكَالَ فَإِنَّ اللَّهَ عَدُوٌّ لِلْكَافِرِينَ ﴿٩٩﴾ وَلَقَدْ

और मीकाईल का दुश्मन है तो यकीनन अल्लाह भी दुश्मन है काफ़िरोँ का. यकीनन

أَنْزَلْنَا إِلَيْكَ آيَاتٍ بَيِّنَاتٍ ۚ وَمَا يَكْفُرُ بِهَا

हम ने आप की तरफ़ रोशन आयतों उतारी. और इन आयतों के साथ कुछ नहीं किया करते

إِلَّا الْفَاسِقُونَ ﴿١٠٠﴾ أَوْ كَلِمَاتٍ عَهْدُوا عَهْدًا ثَبَدًا فَرِيقٌ

मगर नाइरमान लोग. क्या फिर जब कभी उनहों ने कोई अहद किया तो उन में से अक जमाअत ने उस को

مَنْهُمْ ۗ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿١٠١﴾ وَلَمَّا جَاءَهُمْ

ईक (नहीं) दिया? बल्के उन में से अकसर ईमान ही नहीं लाते. और जब उन के पास रसूल

رَسُولٌ مِّنْ عِنْدِ اللَّهِ مُصَدِّقٌ لِّمَا مَعَهُمْ نَبَدَ

आया अल्लाह की तरफ़ से जो सख्या मतलाने वाला है उस को जो उन के पास है, तो

فَرِيقٌ مِّنَ الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ ۗ كَتَبَ اللَّهُ وَرَاءَ

अहले किताब की अक जमाअत ने ईक दिया अल्लाह की किताब को अपनी पीठ

ظُهُورِهِمْ كَانْتَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ﴿١٠٢﴾ وَاتَّبَعُوا مَا تَتْلُوا

पीठे गोया के वो जानते ही नहीं. और वो पीठे पडे उन चीजों के जिन की शयातीन

الشَّيْطَانِ عَلَىٰ مُلْكِ سُلَيْمَانَ ۚ وَمَا كَفَرَ سُلَيْمَانُ

तिलावत करते थे सुलैमान (अलैहिस्सलाम) के दौरे हुकूमत में. और सुलैमान (अलैहिस्सलाम) ने कुछ

وَلَكِنَّ الشَّيْطَانَ كَفَرُوا يَعْلَمُونَ النَّاسِ السِّحْرَ ۚ وَمَا

नहीं किया लेकिन शयातीन कुछ करते थे के वो ईन्सानों को जादू सिखाते थे. और वो चीज



أُنزِلَ عَلَى الْمَلَكَيْنِ بِبَابِلَ هَارُوتَ وَ مَارُوتَ ۝

सिंघाते थे जो दो इरिशतों पर उतारी गई बाबिल में, डाइत और माइत पर.

وَمَا يُعَلِّمِينَ مِنْ أَحَدٍ حَتَّى يَقُولَا إِنَّمَا نَحْنُ فِتْنَةٌ ۝

और वो किसी को सिंघलाते नहीं थे जब तक के ये नहीं केडते थे के डम तो सिई आजमाईश हैं,

فَلَا تَكْفُرْ فَيَتَعَلَّمُونَ مِنْهَا مَا يَفْرِقُونَ بِهِ بَيْنَ

ईस लिये तू काईर मत बन. ईर भी वो उन दोनो इरिशतों से सींघते थे वो जादू जिस के जरिये वो जुदाई

الْبَرِّ وَ زَوْجِهِ ۝ وَمَا هُمْ بِضَارِّينَ بِهِ مِنْ أَحَدٍ

डालते थे शौडर और भीवी के दरमियान. और वो उस के जरिये किसी को जरर नहीं पडोया सकते मगर

إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ۝ وَ يَتَعَلَّمُونَ مَا يَضُرُّهُمْ وَلَا يَنْفَعُهُمْ ۝

अल्लाड के डुकम से. और वो सींघते थे वो जादू जो उन को नुकसान देता था और उन को नफ़ा नहीं देता था.

وَلَقَدْ عَلِمُوا لَمَنِ اشْتَرَاهُ مَا لَهُ فِي الْآخِرَةِ

और यकीनन उनडे मालूम है के अलभता वो आदमी जिस ने उस को भरीदा उस के लिये आभिरत में

مِنْ خَلْقٍ ۝ وَلَبِئْسَ مَا شَرَوْا بِهِ أَنْفُسَهُمْ لَوْ كَانُوا

कोई डिस्सा नहीं. और अलभता भुरा है जिस के बदले में उनडो ने अपनी जानों को बेया. काश के वो

يَعْلَمُونَ ۝ وَلَوْ أَنَّهُمْ آمَنُوا وَ اتَّقَوْا لَمَثُوبَةٌ

जानते. और अगर वो ईमान लाते और मतकी बनते तो अल्लाड के पास से

مِّنْ عِنْدِ اللَّهِ خَيْرٌ لَّوْ كَانُوا يَعْلَمُونَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

जो सवाब है वो बेडतर डोता. काश के वो जानते. ओ ईमान वालो!

آمَنُوا لَا تَقُولُوا رَاعِنَا وَقُولُوا انظُرْنَا وَاسْمَعُوا ۝

तुम राईना ( رَاعِنَا ) मत कडो, बडके उ-उरना ( انظُرْنَا ) कडो, और गौर से सुनो.

وَ لِلْكَافِرِينَ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ مَا يَوَدُّ الَّذِينَ

और काईरों के लिये दर्दनाक अजाब है. ओडले किताब में से

كَفَرُوا مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ وَلَا الْمُشْرِكِينَ أَنْ يُنَزَّلَ

जो काईर हैं वो, और मुशरिकीन ये नहीं याडते के तुम पर

عَلَيْكُمْ مِّنْ خَيْرٍ مِّنْ رَبِّكُمْ ۝ وَاللَّهُ يَخْتَصُّ بِرَحْمَتِهِ

कोई भैर उतारी जाओ तुम्हारे रब की तरफ से. और अल्लाड अपनी रडमत के साथ पास करता है

مَنْ يَشَاءُ ۖ وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ الْعَظِيمِ ﴿۱۵﴾ مَا نُنْسَخُ

जिसे यादता है. और अदलाह बडे इजल वाला है. हम जो आयत मन्सूख

مِنْ آيَةٍ أَوْ نُنسَخَهَا نَاتٍ بِخَيْرٍ مِّنْهَا أَوْ مِثْلَهَا ۖ

करते या हम उस को लुका देते हैं तो हम उस से बेहतर या उसी जैसी ले आते हैं.

أَلَمْ تَعْلَمْ أَنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۱۶﴾ أَلَمْ تَعْلَمْ

क्या आप को मालूम नहीं के अदलाह हर चीज पर कुदरत वाला है. क्या आप को मालूम नहीं के

أَنَّ اللَّهَ لَهُ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ وَمَا لَكُمْ

अदलाह के लिये आस्मानों और जमीन की सल्तनत है. और तुम्हारे लिये

مَنْ دُونَ اللَّهِ مِنْ وَّلِيٍّ وَلَا نَصِيرٍ ﴿۱۷﴾ أَمْ تُرِيدُونَ

अदलाह के अलावा कोई मददगार और हिमायती नहीं. क्या तुम ये चाहते हो के

أَنْ تَسْأَلُوا رَسُولَكُمْ كَمَا سَأَلَ مُوسَىٰ مِنْ قَبْلُ ۖ وَمَنْ

तुम अपने रसूल से सवाल करो जिस तरह से मूसा (अलैहिस्सलाम) से इस से पहिले सवाल किया गया. और

يَتَّبِعِل الْكُفْرَ بِالْإِيمَانِ فَقَدْ ضَلَّ سَوَاءَ السَّبِيلِ ﴿۱۸﴾

जो कुफ्र को ईमान के बदले में लेगा तो यकीनन वो सीधे रास्ते से भटक गया.

وَدَّ كَثِيرٌ مِّنْ أَهْلِ الْكِتَابِ لَوْ يَرُدُّونَكُمْ مِّنْ بَعْدِ

ओहले किताब में से बहोत से चाहते हैं के काश के वो तुम्हें तुम्हारे ईमान लाने के

إِيمَانِكُمْ كِفَارًا ۗ حَسَدًا مِّنْ عِنْدِ أَنْفُسِهِمْ مِّنْ بَعْدِ

भाह काफिर बना हें अपनी तरफ के हसद से इस के भाह के उन के लिये

مَا تَبَيَّنَ لَهُمُ الْحَقُّ ۖ فَاعْفُوا وَاصْفَحُوا حَتَّىٰ يَأْتِيَ اللَّهُ

उक वाजेह हो गया. इस लिये तुम मुआफ करो और दरगुजर करो यहां तक के अदलाह अपना हुकम

بِأَمْرِهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۱۹﴾ وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ

ले आओ. यकीनन अदलाह हर चीज पर कुदरत वाला है. और नमाज काईम करो

وَأَتُوا الزَّكَاةَ ۖ وَمَا تُقَدِّمُوا لِأَنْفُسِكُمْ مِّنْ خَيْرٍ يَّجِدُوهُ

और जकत दो. और जो भलाई तुम अपनी जानों के लिये आगे भेजोगे तो उसे

عِنْدَ اللَّهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿۲۰﴾ وَقَالُوا

अदलाह के पास पाओगे. यकीनन अदलाह तुम्हारे आमाह देभ रहे हैं. और ये केहते हैं के

لَنْ يَدْخُلَ الْجَنَّةَ إِلَّا مَنْ هُوَ دَاخِلٌ أَوْ نَصْرِي ۝

उरगिज जन्नत में दाखिल नहीं होंगे मगर वही जो यखूदी है या नसरानी है.

تِلْكَ أَمَانِيُّهُمْ ۝ قُلْ هَاتُوا بُرْهَانَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ

ये उन की खूदी तमन्नाअें हैं. आप इरमा दीजिये तुम अपनी दलील लाओ अगर तुम सख्ये हो.

صَادِقِينَ ۝ بَلَىٰ ۚ مَنْ أَسْلَمَ وَجْهَهُ لِلَّهِ وَهُوَ

कयूं नहीं. जिस ने अपना येहरा अद्लाह के ताबेअ किया इस डाल में के

مُحْسِنٌ فَلَهُ أَجْرُهُ عِنْدَ رَبِّهِ ۚ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ

वो नेकी करने वाला है, तो उस के लिये अपने रब के पास उस का अजर है. और उन पर न भौंइ डोगा

وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ۝ وَقَالَتِ الْيَهُودُ لَيْسَتِ النَّصْرَىٰ

और न वो गमगीन होंगे. और यखूद ने कडा के नसारा किसी थीज

عَلَىٰ شَيْءٍ ۚ وَقَالَتِ النَّصْرَىٰ لَيْسَتِ الْيَهُودُ عَلَىٰ شَيْءٍ ۚ

पर नहीं. और नसारा ने कडा के यखूद किसी थीज पर नहीं.

وَهُمْ يَتْلُونَ الْكِتَابَ ۚ كَذَلِكَ قَالَ الَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ

डालांके वो किताब की तिलावत करते हैं. इसी तरड उन्डी जैसा कौल उन्डों ने भी कडा जो कुछ

مِثْلَ قَوْلِهِمْ ۚ فَاللَّهُ يَحْكُمُ بَيْنَهُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ

जानते नहीं. इर अद्लाह उन के हरमियान कयामत के दिन इंसला करेगा

فِيمَا كَانُوا فِيهِ يَخْتَلِفُونَ ۝ وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنْ مَنَعَ مَسْجِدَ

उस में जिस में वो इफ्तिलाइ कर रहे हैं और उस से जयादा जलिम कौन डोगा जो अद्लाह की मस्जिदों से

اللَّهِ أَنْ يُذَكَّرَ فِيهَا اسْمُهُ وَسَعَىٰ فِي خَرَابِهَا أُولَٰئِكَ

रोके, (इस से रोके) के उन में अद्लाह का नाम लिया जाअे और उन को वैरान करने की कोशिश करे. ये लोग

مَا كَانُوا لَهُمْ أَنْ يَدْخُلُوهَا إِلَّا خَائِفِينَ ۚ لَهُمْ

हैं के उन के लाईक नहीं है के वो उन में दाखिल हों मगर डरते डरते. उन के लिये

فِي الدُّنْيَا خِزْيٌ وَلَهُمْ فِي الْآخِرَةِ عَذَابٌ عَظِيمٌ ۝

दुन्या में रुस्वाई डोगी और उन के लिये आभिरत में भारी अजाब डोगा.

وَاللَّهُ الْمَشْرِقُ وَالْمَغْرِبُ ۚ فَأَيْنَمَا تُوَلُّوا فَثَمَّ وَجْهٌ

और अद्लाह की मिल्क है मशरिक भी और मगरिब भी. तो जिधर तुम मुंड इरोगे तो उधर अद्लाह

اللَّهُ ۖ إِنَّ اللَّهَ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ﴿۱۱۵﴾ وَ قَالُوا اتَّخَذَ

کا یہودرا ہے۔ یکنینن اءلءلاء ورسءت والے، ءلم والے هے۔ اور ءنءوں نے کءا کے اءلءلاء

اللَّهُ وَلَدًا ۖ سُبْحٰنَهُ ۚ بَلْ لَّهٗ مَا فِى السَّمٰوٰتِ

اوءلاءء رءءتا ہے۔ اءلءلاء اوءلاءء سے ٱاك ہے، ٱءكے اءلءلاء كى مءلك هے ءو ءمام ءىءوں ءو آءسماءوں

وَ الْاَرْضِ ۚ كُلُّ لَّهٗ قٰنِوٰنٌ ﴿۱۱۶﴾ بِدِیْعِ السَّمٰوٰتِ

اور ءمىن مے هے۔ سٱ ءس کے ساءم نے آءءءءى كرنے والے هے۔ ءو آءسماءوں اور ءمىن كو ٱءءر نمءنے

وَ الْاَرْضِ ۚ وَ اِذَا قَضٰى اَمْرًا فَاِنْبَا يَقُوْلُ لَهٗ كُنْ

كے ٱءءا كرنے والاءا ہے۔ اور ءء ءو كىسى ءىء كا كےءلا كرتا هے ءو ءس سے كءءتا هے كے ءو ءا، ءو ءو ءو

فَيَكُوْنُ ﴿۱۱۷﴾ وَقَالَ الَّذِیْنَ لَا یَعْلَمُوْنَ لَوْلَا یُكَلِّمُنَا

ءاءى هے۔ اور ءن لوءوءوں نے كءا ءو ءانءے نءى كے اءلءلاء ءم سے كءلام كءوں نءى كرتا ءا ءمارة ٱاس

اللَّهُ اَوْ تَاْتِنَا اٰیَةٌ ۚ كَذٰلِكَ قَالَ الَّذِیْنَ مِنْ قَبْلِهِمْ

كوءء موءءءءا كءوں نءى آءا؟ ءس ءرء ءن ءى ءءسا كوء ءن لوءوءوں نے ءمى كءا ءو ءن سے

مِّثْلَ قَوْلِهِمْ ۚ تَشَابَهَتْ قُلُوْبُهُمْ ۚ قَدْ بَيَّنَّا الْاٰیٰتِ

ٱءءلے هے۔ ءن كے ءءل اءك ءूसرے كے مءشاءءء هے۔ یكنینن ءم نے آءاءء كو ساءك ساءك ٱءءان كىءا

لِقَوْمٍ یُّوْقِنُوْنَ ﴿۱۱۸﴾ اِنَّا اَرْسَلْنَاكَ بِالْحَقِّ بَشِیْرًا

اوءسى كوءم كے لىءے ءو یكنین رءءءى هے۔ یكنینن ءم نے آءء كو ءك ءے كر ءءءا ٱءشارء ءےنے والاءا

وَ نَذِیْرًا ۚ وَلَا تُسْئَلُ عَنْ اَصْحٰبِ الْجَحِیْمِ ﴿۱۱۹﴾

اور ءرآنے والاءا ٱنا كر كے۔ اور آءء سے ءوءءمىءوں كے موءءءءلك سءال نءى كىءا ءاءءءا۔

وَلَنْ تَرْضٰى عَنْكَ الْیَهُودُ وَلَا النَّصٰرٰى حَتّٰى تَتَّبِعَ

اور ءءءء ء نساراء ءرءءء آءء سے راءى نءى ءوءے ءءاں ءك كے آءء ءن كے مءءءءم كى

مِلَّتَهُمْ ۚ قُلْ اِنَّ هُدٰى اللّٰهِ هُوَ الْهُدٰى ۚ

ٱءرءى كر لے۔ آءء كرما ءىءىءے كے یكنینن اءلءلاء كى ءىءاءءء ءءى ءىءاءءء هے۔

وَلٰیۤیْنِ اتَّبَعَتْ اَهْوَآءَهُمْ بَعْدَ الَّذِیْ جَاۤءَكَ مِنَ الْعِلْمِ ۚ

اور اءءر آءء ءن كى ٱءءءىءاءء كے ٱىءے ءلےءے ءس كے ٱاءء كے آءء كے ٱاس ءلم آء ءءا

مَا لَكَ مِنَ اللّٰهِ مِنْ وَّلِیٍّ ۚ وَلَا نَصِیْرٍ ۚ الَّذِیْنَ

ءو آءء كے لىءے اءلءلاء سے كوءء (ٱءءءے والاءا) مءءءءار اور ءىمءءءى نءى ءوءا۔ ءو لوءو ءءن كو

اتَّيْنَهُمُ الْكِتَابَ يَتْلُونَهُ حَقَّ تِلَاوَتِهِ ۗ أُولَٰئِكَ

હમને કિતાબ દી વો ઉસ કી તિલાવત કરતે હૈ જૈસા કે ઉસ કી તિલાવત કા હક હે. ये

يُؤْمِنُونَ بِهِ ۗ وَ مَنْ يَكْفُرْ بِهِ فَأُولَٰئِكَ هُمُ

ઉસ પર ઈમાન રખતે હૈ. और जो उस का ई-कार करेगा तो वही

الْخٰسِرُونَ ﴿٢٦﴾ يٰبَنِي إِسْرٰءِيلَ اذْكُرُوا نِعْمَتِي الَّتِي

ખસારા ઉઠાને વાલે હૈ. એ બની ઈસ્રાઈલ! તુમ યાદ કરો મેરી ઉસ નેઅમત કો જિસ કા

أَنْعَمْتُ عَلَيْكُمْ وَأَنِّي فَضَّلْتُكُمْ عَلَى الْعٰلَمِينَ ﴿٢٧﴾

મૈને તુમ પર ઈઆમ કિયા, और ये के मँने तुम्हें तमाम जडानों (जडान वालों) पर इजीलत दी.

وَاتَّقُوا يَوْمًا لَّا تَجْزِي نَفْسٌ عَنْ نَّفْسٍ شَيْئًا

और डरो उस दिन से जिस दिन कोई शप्स किसी शप्स के कुछ भी काम नहीं आयेगा और

وَلَا يُقْبَلُ مِنْهَا عَدْلٌ وَلَا تَنْفَعُهَا شَفَاعَةٌ وَلَا هُمْ

किसी की तरफ से इफिया कबूल नहीं किया जायेगा और उस को सिफारिश नफा नहीं देगी और उन की नुस्रत

يُنصَرُونَ ﴿٢٨﴾ وَإِذْ ابْتَلَىٰ إِبْرٰهٖمَ رَبُّهُ بِكَلِمٰتٍ

नहीं की जायेगी. और जब ईब્રાહીમ (अलैહિस्सલામ) का ईम्तिखान लिया उन के रब ने यह कलिमात के जरिये, तो ईब્રાહીम

فَاتَّخَذْنَهَا قَالَ إِنِّي جَاعِلُكَ لِلنَّاسِ إِمَامًا ۗ قَالَ

(अलैહिस्सલાम) ने उन को पूरे तौर पर अदा किया. अद्लाહ ने इरमाया के मँने तुम्हें ईंसानों का पेशवा बनाने वाला हुं.

وَمِنْ ذُرِّيَّتِي ۗ قَالَ لَا يِنَالُ عَهْدِي الظَّالِمِينَ ﴿٢٩﴾ وَإِذْ جَعَلْنَا

ईब્રાહીम (अलैહिस्सલાम) ने कछ के और मेरी औलाह मे से भी. अद्लाહ ने इरमाया के मेरा अहद जलिमों को नहीं पडोयेगा.

الْبَيْتَ مَثَابَةً لِّلنَّاسِ وَأَمْنًا ۗ وَاتَّخِذُوا

और जब के हमने बैतुद्लाह को बनाया ईंसानों के बारबार आने की जगा और अमन की जगा. और (हमने हुकम दिया के)

مِنْ مَّقَامِ إِبْرٰهٖمَ مُصَلًّى ۗ وَعَهِدْنَا إِلَىٰ إِبْرٰهٖمَ

तुम मकामे ईब્રાહીम को नमाज पण्डने की जगा बनाओ. और हमने ईब્રાહીम (अलैહिस्सलाम) और

وَإِسْمٰعِيلَ أَنَّ طَهِّرَا بَيْتِيَ لِلطَّٰفِئِينَ وَالْعٰكِفِينَ

ईस्माઈल (अलैહिस्सલાम) को ताकीही हुकम दिया के तवाફ करने वालों और ऐतेकाफ करने वालों और रुकूम सजद

وَالرُّكَّعِ السُّجُودِ ﴿٣٠﴾ وَإِذْ قَالَ إِبْرٰهٖمُ رَبِّ اجْعَلْ

करने वालों के लिये मेरे घर को पाक करो. और जब के ईब्रાહીम (अलैહिस्सलाम) ने कछा એ મેરે રખ!

هَذَا بَلَدًا آمِنًا وَ ارْزُقْ أَهْلَهُ مِنَ الثَّمَرَاتِ مَنْ

ઈસ કો અમન વાલા શેહર બનાઈયે ઓર યહાં વાલો કો ફલો કી રોઝી દીજિયે, ઉન કો

أَمِنَ مِنْهُمْ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ قَالِ وَمَنْ كَفَرَ

જો ઉન મેંસે ઈમાન રખતે હો અલ્લાહ પર ઓર આખિરી દિન પર. અલ્લાહ ને ફરમાયા કે ઓર જો કુફ કરેગા

فَأَمَّتْهُ قَلِيلًا ثُمَّ أَضْطَرُّرَةً إِلَىٰ عَذَابِ النَّارِ ط

તો મેં ઉસે થોડા નફા પહોંચાઉંગા, ફિર ઉસ કો ખીચ કર આગ કે અઝાબ કી તરફ લે જાઉંગા.

وَبِئْسَ الْمَصِيرُ ﴿۱۳﴾ وَإِذْ يَرْفَعُ إِبْرَاهِيمُ الْقَوَاعِدَ

ઓર વો બુદી જગાહે ઓર જબ ઈબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) બેનુલાહ કી બુયાદો કો ઉપર ઉઠા રહેયે ઓર ઈસ્માઈલ (અલૈહિસ્સલામ) ભી, તો

مِنَ الْبَيْتِ وَإِسْعٰقَ ط رَبَّنَا تَقَبَّلْ مِنَّا ط إِنَّكَ

(હુઆ કર રહે થે કે) એ હમારે રબ! તૂ હમારી તરફ સે કબૂલ ફરમા. યકીનન તૂ

أَنْتَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿۱۴﴾ رَبَّنَا وَاجْعَلْنَا مُسْلِمَيْنِ

સુન્ને વાલા, ઈલ્મ વાલા હૈ. એ હમારે રબ! તૂ હમેં અપની તાબેદારી કરને વાલા બના,

لَكَ وَمِنْ ذُرِّيَّتِنَا أُمَّةً مُّسْلِمَةً لَّكَ وَأَرِنَا مَنَاسِكَنَا

ઓર હમારી ઔલાદ મેંસે ભી અપની તાબેદાર ઉમ્મત બના. ઓર હમ કો હમારે હજ કે અહકામ સિખલા,

وَتُبَّ عَلَيْنَا إِنَّكَ أَنْتَ التَّوَّابُ الرَّحِيمُ ﴿۱۵﴾ رَبَّنَا وَابْعَثْ

ઓર હમારી તૌબા કબૂલ ફરમા. યકીનન તૂ તૌબા કબૂલ કરને વાલા, નિહાયત રહમ કરને વાલા હૈ. એ હમારે રબ!

فِيهِمْ رَسُولًا مِّنْهُمْ يَتْلُوا عَلَيْهِمْ آيَاتِكَ وَ يُعَلِّمُهُم

ઓર તૂ ઉન મેં ઉન્હી મેંસે એક રસૂલ ભેજ જો ઉન પર તેરી આયતેં તિલાવત કરે, ઓર ઉન્હેં કિતાબ

الْكِتَابِ وَالْحِكْمَةَ وَيُزَكِّيهِمْ ط إِنَّكَ أَنْتَ الْعَزِيزُ

વ હિકમત કી તાલીમ દે, ઓર ઉન કો પાક કરે. યકીનન તૂ ઝબરદસ્ત હૈ,

الْحَكِيمُ ﴿۱۶﴾ وَمَنْ يَّرْغَبْ عَنْ مِّلَّةِ إِبْرَاهِيمَ

હિકમત વાલા હૈ. ઓર ઈબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) કી મિલ્લત સે ઐરાઝ નહીં કરતા મગર વો જિસ ને

إِلَّا مَنْ سَفِهَ نَفْسَهُ ط وَلَقَدْ اصْطَفَيْنَاهُ فِي الدُّنْيَا

અપને આપ કો ભેવકૂફ બનાયા. ઓર યકીનન હમ ને ઈબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) કો દુન્યા મેં મુન્તાખબ કિયા થા.

وَإِنَّهُ فِي الْآخِرَةِ لَمِنَ الصَّالِحِينَ ﴿۱۷﴾ إِذْ قَالَ لَهُ

ઓર યકીનન વો આખિરત મેં નેક લોગોં મેંસે હોગોં. જબ કે ઉન સે ઉન કે રબ ને ફરમાયા

رَبِّةً أَسْلِمَ ۚ قَالَ أَسَلِمْتُ لِرَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿١٣١﴾ وَ وَصَّى

کے تابعدار بن جاؤ۔ عبراہیم (अलैहिस्सलाम) ने कडा के में रब्बुल आलमीन का ताबेदार बन गया. और उसी की

بِهَا إِبْرَاهِيمُ بَنِيهِ وَ يَعْقُوبُ ۖ يَبْنِي إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَى

एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने वसीयत की अपने बेटों को और यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने भी. (इरमाया) अे मेरे बेटो!

لَكُمْ الدِّينَ فَلَا تَمُوتُنَّ إِلَّا وَ أَنْتُمْ مُسْلِمُونَ ﴿١٣٢﴾

यकीनन अद्लाह ने तुम्हारे लिये ईस दीन को मुताबक कर लिया है, अब तुम्हें मौत न आये मगर ईस छल मे के तुम मुसलमान हो.

أَمْ كُنْتُمْ شُهَدَاءَ إِذْ حَضَرَ يَعْقُوبَ الْمَوْتُ ۖ إِذْ قَالَ

क्या तुम मौजूद थे जब यअकूब (अलैहिस्सलाम) करीबुल मौत हुवे, जब के आपने अपने बेटों से इरमाया

لِبَنِيهِ مَا تَعْبُدُونَ مِنْ بَعْدِي ۖ قَالَوَا نَعْبُدُ إِلَهَكَ

के मेरे बाद तुम किस चीज की एबादत करोगे? तो उन्हों ने कडा के हम एबादत करेगे आप के माबूद की

وَاللَّهُ أَبَاكَ إِبْرَاهِيمَ وَ إِسْمَاعِيلَ وَ إِسْحَاقَ إِلَهًا وَاحِدًا ۖ

और आप के बाप दादा एब्राहीम और ईस्माईल और ईसहाक (अलैहिमुस्सलाम) के माबूद की, अेक ही माबूद की.

وَ نَحْنُ لَهُ مُسْلِمُونَ ﴿١٣٣﴾ تِلْكَ أُمَّةٌ قَدْ خَلَتْ ۖ لَهَا

और हम उसी की ताबेदारी करने वाले हैं. ये उम्मत गुजर गई. उस के लिये वो है

مَا كَسَبَتْ وَلكُمْ مَا كَسَبْتُمْ ۖ وَلَا تَسْأَلُونَ عَمَّا كَانُوا

जो उस ने कमाया और तुम्हारे लिये वो है जो तुम ने कमाया. और तुम से सवाल नही किया जायेगा उन कामों के

يَعْمَلُونَ ﴿١٣٤﴾ وَ قَالَوَا كُونُوا هُودًا أَوْ نَصَارَى تَهْتَدُوا ۗ

मुतअदिलक जो वो करते थे. और उन्हों ने कडा के तुम यहुदी या नसरानी बन जाओ, तो तुम छिदायतयाइता केडलाओगे.

قُلْ بَلْ مِلَّةَ إِبْرَاهِيمَ حَنِيفًا ۖ وَمَا كَانَ

आप इरमा दीजिये बलके एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की मिल्लत (का एत्तेबाअ कर लो) जो सिर्फ अेक अद्लाह के हो कर रेडने

مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿١٣٥﴾ قُولُوا آمَنَّا بِاللَّهِ وَمَا أُنزِلَ إِلَيْنَا

वाले थे और मुशरिकीन मे से नही थे. कडो के हम एमान लाये अद्लाह पर और उन किताबों पर जो हमारी तरफ उतारी

وَمَا أُنزِلَ إِلَيْنَا إِبْرَاهِيمَ وَ إِسْمَاعِيلَ وَ إِسْحَاقَ وَ يَعْقُوبَ

गई और उन किताबों पर जो एब्राहीम और ईस्माईल और ईसहाक और यअकूब (अलैहिमुस्सलाम) और

وَ الْكَسْبِطِ وَمَا أُوتِيَ مُوسَى وَ عِيسَى وَمَا أُوتِيَ

यअकूब (अलैहिस्सलाम) के बेटों पर उतारी गई और उन किताबों पर जो मूसा और ईसा (अलैहिमुस्सलाम) को दी गई

النَّبِيُّونَ مِنْ رَبِّهِمْ ۚ لَا نُفَرِّقُ بَيْنَ أَحَدٍ مِنْهُمْ ۗ

اور ان کتابوں پر جو دوسرے اہمیتوں کو دی گئی ان کے درجہ سے ہم ان کے کسی کے درمیان تفریق نہیں کرتے۔

وَ نَحْنُ لَهُ مُسْلِمُونَ ﴿۱۳۲﴾ فَإِنْ آمَنُوا بِمِثْلِ مَا آمَنْتُمْ بِهِ

اور ہم اس کے تابع ہیں۔ اگر وہ آپ کے جیسے ایمان لائیں تو آپ کے ایمان کے برابر ہوں گے۔

فَقَدْ اهْتَدَوْا ۚ وَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّمَا هُمْ فِي شِقَاقٍ ۚ

تو آپ نے سچا راستہ چنا۔ اور اگر آپ لوگ لوٹ جائیں تو آپ لوگ ہی گمراہ ہیں۔

فَسِيكَفَيْكِهِمُ اللَّهُ ۚ وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿۱۳۳﴾ صِبْغَةَ

اور آپ کو اللہ ہی کی طرف سے پختہ کیا جائے گا۔ اور وہ سب سے زیادہ سنا اور جانتا ہے۔ (ہم نے)

اللَّهُ ۚ وَمَنْ أَحْسَنُ مِنَ اللَّهِ صِبْغَةً ۚ وَ نَحْنُ لَهُ

اللہ سے بہتر کونسا رنگ دے سکتا ہے؟ اور ہم اس کی

عِبْدُونَ ﴿۱۳۴﴾ قُلْ أَتَحَاجُّونَنَا فِي اللَّهِ وَهُوَ رَبُّنَا

بند ہیں۔ آپ کہتے ہیں کہ ہم اللہ میں آپ کو حاجت مند سمجھتے ہیں۔ اور وہ ہمارا رب ہے۔

وَ رَبُّكُمْ ۚ وَلَنَا أَعْمَالُنَا وَلَكُمْ أَعْمَالُكُمْ ۚ وَ نَحْنُ لَهُ

اور ہمارا رب ہے۔ اور ہمارے اعمال ہمارے ہیں اور تمہارے اعمال تمہارے ہیں۔ اور ہم اس کے

مُخْلِصُونَ ﴿۱۳۵﴾ أَمْ تَقُولُونَ إِنَّ إِبْرَاهِيمَ وَإِسْمَاعِيلَ

مخلص ہیں۔ کیا آپ کہتے ہیں کہ ابراہیم اور اسماعیل

وَإِسْحَاقَ وَيَعْقُوبَ وَالْأَسْبَاطَ كَانُوا هُودًا

اور اسحاق اور یعقوب اور اسباط کو یہودیوں میں سے

أَوْ نَصَارَى ۚ قُلْ ءَأَنْتُمْ أَعْلَمُ أَمِ اللَّهُ ۚ وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنْ

یا عیسائیوں میں سے ہے؟ کہہ دیجئے کہ کیا آپ جانتے ہیں کہ اللہ سے کون زیادہ گمراہ ہے؟

كَتَمَ شَهَادَةً عِنْدَ اللَّهِ مِنَ اللَّهِ ۚ وَمَا اللَّهُ بِغَافِلٍ

جو اللہ کے پاس شہادت چھپاتا ہے۔ اور اللہ غافل نہیں ہے۔

عَمَّا تَعْمَلُونَ ﴿۱۳۶﴾ تِلْكَ أُمَّةٌ قَدْ خَلَتْ ۚ لَهَا مَا كَسَبَتْ وَلَكُمْ

وہ قومیں جو گزر چکی ہیں۔ ان کے اعمال ان کے ہیں اور آپ کے

مَا كَسَبْتُمْ ۚ وَلَا تَسْأَلُونَ عَمَّا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۳۷﴾

کے اعمال آپ سے نہیں پوچھتے۔ اور آپ ان کے اعمال سے نہیں پوچھتے۔